an>

Title: Regarding increasing maoist activities in Bihar.

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण) : अध्यक्ष महोदया, देश की सबसे प्रतिष्ठित रेलगाड़ी है, वह राजधानी एक्सप्रेस है। पिछले साल भर का अगर हम इन ट्रेंस का चार्ट निकाल कर देखें, जैसे भुवनेश्वर-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस है। पिछले माह औरंगाबाद में यह ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। ऐसा कहा जाता है कि इसमें माओवादियों ने रेल लाइन पर बम लगाकर इसे उड़ाने का प्रयास किया था। इसके ठीक पहले दिल्ली-हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस भी औरंगाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इसी क्रम में लगभग दो महीने पहले यानि 23 जून को मेरे संसदीय क्षेत्र छपरा में एक दुर्घटना हुई। यह बहुत चिंता की बात है। हम लोग वहां थे, सुबह दो बजे यह दुर्घटना हुई थी, जिसमें चार यात्री मारे गए थे। हालांकि इस देश में तकनीकी का बहुत विकास हुआ है कि आजकल ऐसे डिब्बे बनते हैं कि गिरने के बाद इम्पैक्ट उनके ऊपर रह जाता है और बहुत लोग बच जाते हैं। सामान्य रेलगाड़ियों को माओवादी टार्गेट नहीं कर रहे हैं। हम जब घटनास्थल पर गए तो वहां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था, सामान्य आंख से देखने से भी पता चलता था कि आजकल रेल पटरियों को फिशप्लेट से जोड़ा नहीं जाता है, उन्हें एक के साथ दूसरी पटरी को कुछ दूरी पर वैल्ड कर दिया जाता है। फिर उसे ट्रैक पर रखकर पेंडोल क्लिप के साथ जोड़ दिया जाता है। हमने देखा कि वहां एक साथ 23-24 पेंडोल क्लिप्स निकाले गए थे, जबकि उन्हें निकालने के लिए नई तकनीक की आवश्यकता है। हमने हमेशा देखा है कि जब इस प्रकार की घटनाएं होती हैं तो रेलवे और प्रांत के बीच संघर्ष होता है। प्रांत यह कहती हैं कि माओवादी घटना हमारे कारण नहीं है। रेलवे बार-बार यह कहता है कि यह माओवादी घटना है। ट्रेंस हर राज्यों से होकर जाती हैं, अब यह विरोध उत्पन्न हो रहा है कि यह माओवादी घटना है या नहीं या रेलवे की वजह से दुर्घटना है। आखिर देश की जनता इस स्थिति को कब तक देखती रहेगी और देश में इस विषय पर कंसेंसस क्यों नहीं बन रहा है। रेलगाड़ी चाहे किसी भी केटेगरी की क्यों न हो, जिसमें हम सफर करते हों या सामान्य लोग सफर करते हों। देश के लिए एक असुरक्षा की भावना रेलगाड़ियों में, विशेषकर ऐसे माओवादी क्षेत्रों में उत्पन्न हो रही है। यह घोर चिंता का विषय है कि राज्य सरकारें और केन्द्र सरकार इस प्रकार की बढ़ती हुई गतिविधियों में जिसमें माओवादी बड़ी रेलगाड़ियों, खासकर राजधानी ट्रेंस, को हर माह टार्गेट कर रहे हैं। इस बात पर सबको चिंता होनी चाहिए। साथ ही केन्द्र सरकार और राज्य सरकारें, जिन मार्गों से यह रेलगाड़ियां गुजरती हैं, एक समन्वय स्थापित करके इन दुर्घटनाओं पर राजनीति न करके रेलवे की सुरक्षा और देश की सुरक्षा की बात करें।

माननीय अध्यक्ष:

श्री पी.पी. चौधरी एवं

डॉ. किरिट पी. सोलंकी श्री राजीव प्रताप रुडी द्वारा उठाए गए विषय से अपने आपको सम्बद्ध करते हैं।

श्रीमती विजया चक्रवर्ती (गुवाहाटी): अध्यक्ष महोदया, शून्य काल में बोलने के लिए मैंने भी नाम दिया था।

माननीय अध्यक्ष: जो नाम रह गए हैं, उन्हें शाम को मौका दिया जाएगा।